श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

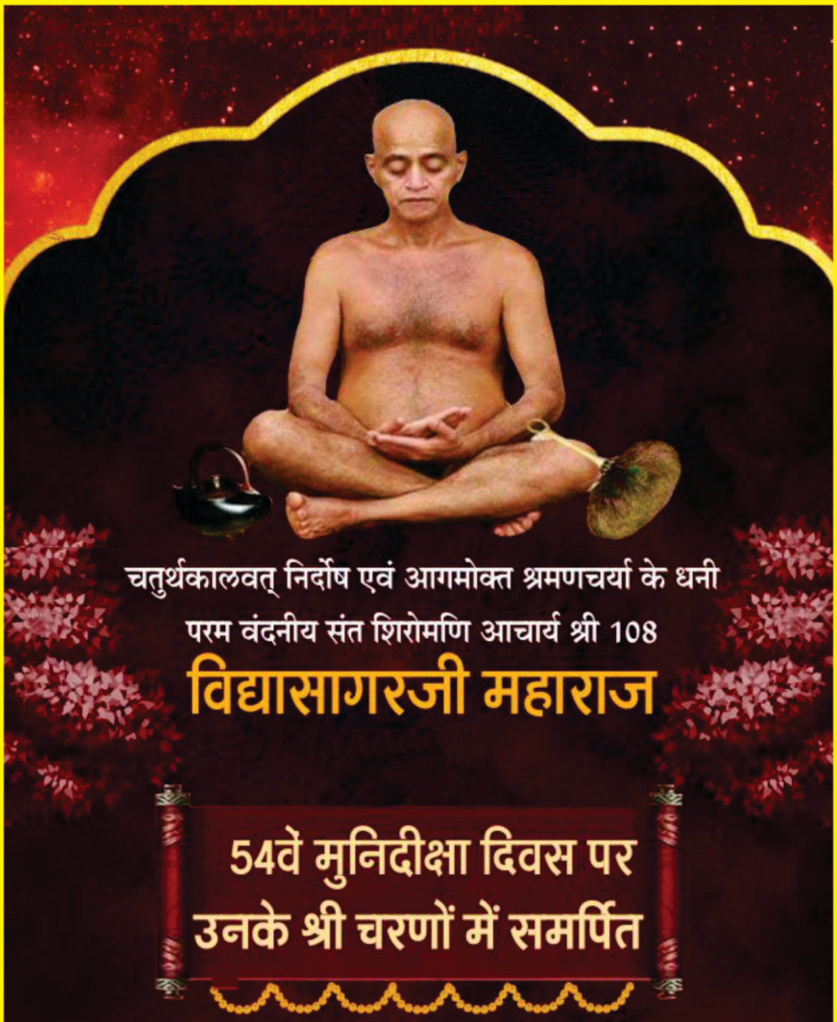

आत्मशिल्पी अपराजेय साधक

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065

मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	: Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	: 10170001973962
Branch	: Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code	: BDBL0001498

वर्ष 5 - अंक 2 जुलाई 2021

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 9999495706, 8826578600
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर

संपादक (विदेश)
रामगोपाल जैन U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
सुन्दर नगरी, दिल्ली-110093

मुख्य कार्यालय

Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com
Website : www.shreedigamberjainmahasamiti.com

विषय सूची

1. सम्पादकीय 2
2. वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ 4
3. आचार्य लोकेश जी 5
4. बूंदी पुरूष संभाग 8
5. राजस्थान में आई जागृति 9
6. अनोप मंडल के विरूद्ध / पीड़ित-मानव..... 10
7. प्रदेश कार्यकारिणी 11
8. डॉ. मणीन्द्र जैन / मन्दिर परिसर 12
9. चरण स्पर्श..... 13
10. कार्यकारिणी जिला भरतपुर 14
11. जैन इण्टरनेशनल 15
12. श्री दिगम्बर जैन महासमिति 19

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

कर्म से हमारे जीवन में सुख-दु:ख की प्राप्ति होती है

हम अगर इस संसार को बहुत गौर से, सावधानी से देखें तो यहाँ हम जो भी पाते हैं वे ही हमारे कर्मो का प्रतिफल है। हम जैसा करते हैं वैसा हम पाते हैं। जिस दिशा में हम चलते हैं वहाँ हम पहुचते हैं। हम पाना कुछ और चाहें और करें कुछ और तो शायद हमारे सोचने से पाने का कोई सम्बन्ध नहीं है। कोई व्यक्ति ये सोचे कि वो नदी के किनारे पहुँच जाये और उसके कदम बाजार की तरफ बढ़ रहे हों, तो कोई भी कह देगा कि आप सोच भले ही रहे हैं कि आप नदी पर पहुँचेगें, लेकिन आपके कदम अगर बाजार की तरफ जा रहे हैं तो आप पहुँचेगें तो बाजार। हम लोग अपने जीवन को अच्छा बनाना चाह रहे हैं, ये हमारा सोच है; लेकिन सोचने से हमारा जीवन अच्छा बन जाये, ऐसा संभव नहीं है।

हम अगर अपने जीवन में बीज कड़वा बोयें और फिर अगर सोंचे कि फल मीठे मिलेगें तो क्या संभव हैं ? यदि हमें अपने जीवन को अच्छा बनाना है तो हमें यह भी देखना पड़ेगा कि अच्छा बनाने वाली कौन सी चीजें हैं उनको मैं अपने जीवन में शामिल कर रहा हूँ या नहीं। या फिर सोच रहा हूँ। हम लोगों के साथ एक मुशकिल और है कि हम दूसरे के प्रति विश्वास नहीं रखते लेकिन दूसरे से अपेक्षा रखते हैं कि वह हम पर विश्वास करे। हम दूसरों से घ्रणा रखते हैं, लेकिन हमारी अपेक्षा होती है कि सब हमसे प्यार करें। ये दो चीजें हमारे जीवन में बाधक बनती हैं। हम सोचते हैं कि अच्छा बनें, लेकिन जीवन उस दिशा में ले जाते हैं जहाँ कि उसके बुरा बनने की सभांवना है और दूसरी चीज दूसरे से हम अपेक्षा जैसी रखते हैं। वैसा हम उसके प्रति अपना व्यवहार नहीं बनाते।

आज हम मनुष्य हैं तो क्यों मनुष्य हैं। आज अगर कोई पशु है तो क्या वह पशु होने के लिये मजबूर है या उसकी वो कमजोरी है। आज कोई नरक की तरह अपने जीवन को जी रहा है, अभावग्रस्त दरिद्र दीनहीन और दु:खी होकर के अपने जीवन को बिल्कुल नरक बनाकर जी रहा है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है? हाँ,यदि कोई बहुत सुख सुविधाओं के बीच स्वर्ग की तरह अपने जीवन को जी रहा है तो उसके लिए उसने ऐसा क्या किया होगा, इस पर हमें विचार करना है। ये चारों ही चीजें देखने में आती हैं।

हम अपना नरक अपने ही हाथ से निर्मित करते हैं। हम पशु जगत में उनकी पशुता से परिचित है.।

हम मनुष्यों को भी सुख–दुःख दोनों महसूस करते देखते हैं और हमारे अन्दर एक ऐसा भाव आता है कि कोई ऐसी स्थिति भी होगी जहाँ कि अत्यन्त सुख होगा। जीव इन चारों रुपों में अपने–अपने भावों के अनुसार भ्रमण करता रहता है। मैं जैसा हूँ, बैसा क्यों हूँ? इस पर तो जरूर हमको सोचना चाहिए और इसके लिए हम लोगों को यह ध्यान रखना चाहिये कि यदि मैं दूसरे का तिरस्कार करता हूँ तो मैं तैयार रहूँ इस बात के लिए कि मेरा भी तिरस्कार होगा और यदि मैं अपने जीवन में दूसरों के सुखों को देखकर दुःखी होता हूँ या दूसरों के दुःखों को देखकर हर्षित होता हूँ तो यह निश्चय है कि मैं अपने जीवन को अपने हाथ से नरक बनाने की तैयारी कर रहा हूँ। अकेले सोचने से नहीं होता। तैयारी से ही जीवन बनता है। जैसी तैयारी होगी वैसा जीवन बनेगा। जैसा हम सोचते हैं सिर्फ वैसा ही जीवन नहीं बनता। सोचने के साथ–साथ जैसी हमारी तैयारी होती है, यदि हमारी तैयारी अपने जीवन को नरक के जैसे बनाने की है तो अन्ततः हम पायेगें कि हमारा जीवन जैसा नरक में व्यतीत होता है वैसा ही व्यतीत हो रहा है और हम चाहें तो हम अपने जीवन को स्वर्ग बना सकते हैं।

निष्कर्ष यह है कि हमें कर्म के अनुसार ही जीवन में सुख–दुःख की प्राप्ति होती है। कोई नहीं चाहता कि वो अपने जीवन में दुःख पाये। जो दुःख बढ़ाने वाले काम करते हैं वो भी यह नहीं चाहते कि उनके जीवन में दुःख आये, पर क्या करें हमारी अपनी अज्ञानता, हमारी अपनी पुरुषार्थ हीनता और इतना ही नहीं हमारे अपने जो संस्कारों की प्रबलता है, वो हमें कर्म कैसे करना चाहिये और कर्म का फल भोगते समय क्या सावधनी रखनी चाहिये, यहाँ जाकर के हम गड़वड़ा जाते हैं।

-धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

– उस दान में कोई पुण्य नहीं, जिसमें विज्ञापन हो।

– दूसरे का अप्रिय बचन, सुनकर भी सर्वोत्तम व्यक्ति सदा प्रिय वाणी ही बोलता है।

वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ

वृक्ष सभी जीवधारियों के लिए बहुत आवश्यक हैं। वृक्षों के बिना जीवन के अस्तित्व के बारे में हम सोच भी नहीं सकते। वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड को अपने भोजन के रूप में ग्रहण कर ऑक्सीजन के रूप में निकालते हैं, जो हमारे जीवन के लिए उर्जा का प्राथमिक स्रोत है। इस तरह पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। प्राणवायु तथा पौष्टिक फल प्रदान करके पेड़ों ने हमें कृतज्ञ किया है। गरमी के मौसम में वे हमें छाया देते हैं तथा उपजाऊ मिट्टी को विभिन्न प्रकार के क्षरण से बचाते हैं।

वृक्षों से ही हम सभी आवश्यक सामग्री प्राप्त करते हैं। कई प्रकार की दवाइयाँ, वृक्षों के पत्तों, जड़ों और छाल से तैयार की जाती हैं। हमारी दैनिक जीवन शैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए वृक्ष बहुत आवश्यक हैं। पेड़ हर समुदाय के जीवन का एक अभिन्न अंग है। सड़कों, पार्कों, खेल के मैदानों और घर के आस–पास पेड़ होने से वातावरण शांतिपूर्ण एवं सुरम्य रहता है।

पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए अधिक–से–अधिक वृक्ष रोपे जाने चाहिए। अगर हम दिल्ली की बात करें तो अभी भी दिल्ली में करीब 13% ग्रीन कवर की कमी है और जिस गति से पर्यावरण में परिवर्तन हो रहा है, उसको देखते हुए तो यही लगता है कि आगे परेशानी और बढ़ेगी।

इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए श्री दिगम्बर जैन महासमिति ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया है तथा समाज के सभी वर्गों को वृक्षारोपण अभियान से जुड़ने का आह्वान करती है। हमने श्री सम्मेदशिखर जी में पाँच हजार वृक्ष लगाने का निर्णय लिया है। आइए! हम सभी वृक्ष लगाएँ एवं अन्यों को भी प्रेरित कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

- डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री दिगम्बर जैन महासमिति

आचार्य लोकेश जी "विश्व राजऋषि" उपाधि से अलंकृत हुए राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, विभिन्न जैन आचार्य, धर्म गुरूओं ने समारोह को संबोधित कर आचार्य लोकेश जी के मानवता वादी कार्यो की सराहना की।

शंतिदूत आचार्य डॉ लोकेश जी को सृष्टिपूर्ति वर्ष के अंतर्गत आयोजित विशेष समारोह में **"विश्व राजऋषि"** उपाधि से अलंकृत किया गया। समारोह का आयोजन नवग्रह तीर्थ कर्नाटक एवं अखिल भारतीय जैन समाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रकृति व संस्कृति के संरक्षण में संतों का योगदान विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया ऊईके, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन किरण चोपड़ा, आचार्य गुणधरनंदी जी, जीतो जियो के संस्थापक गनिवर्य नयपद्मसागर जी, आचार्य पुलकसागर जी, आचार्य गुप्तीनंदी जी, राष्ट्रसंत ललितप्रभ जी, हिन्दू धर्माचार्य स्वामी दीपांकर जी, स्वामी अभयदास जी, समाजरत्न सुभाष ओसवाल,

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन, सहयोग दिल्ली के अध्यक्ष मनोज जैन, भारतवर्षीय तीर्थ समिति के अध्यक्ष शिखरचन्द पहाड़िया सहित कई महानुभावों, साधु–संतों एवं श्रद्धालुओंनें हिस्सा लिया एवं आचार्यश्री के यशस्वी जीवन के लिए अनेकों शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर अखिल भारतीय जैन समाज नवगृह तीर्थ एवं राष्ट्रसंत गुणधरनंदी जी के प्रतिनिधि के रूप में डॉ मणीन्द्र जैन, मनोज जैन नें आचार्य लोकेश जी को दिल्ली आश्रम में उपस्थित होकर राजऋषि उपाधि प्रशस्ति पत्र, शॉल व प्रतीक चिन्ह भेंट करके सम्मान किया।

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया ऊईके ने अपने भाषण में कहा कि आचार्य लोकेश ने वैश्विक स्तर पर प्रकृति व संस्कृति के संरक्षण एवं समाज में एकता व भाईचारे के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने में भागीरथ प्रयत्न किया है।केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने अपने भाषण में कहा कि आचार्य लोकेशजी मानवता के अप्रतिम उदाहरण हैं, उन्होने अहिंसा विश्व भारती संस्था के माध्यम से विश्व में शांति, स्वास्थ्य, सद्भावना, समृद्धि के जरिए मानवता के स्तर को निरंतर बढ़ाकर सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन किरण चोपड़ा ने आचार्य लोकेशजी के सृष्टिपूर्ति वर्ष के अवसर पर दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन जैसे विषय पर जन जागृति के लिए अलख जगाते हुए आचार्य लोकेश जी ने पूरे विश्व में अपने स्वर को गुंजायमान किया है। दिगम्बर संत द्वारा श्वेताम्बर संत के सम्मान में आज का कार्यक्रम जैन एकता समन्वय सौहार्द के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

आचार्य पुलकसागर जी ने कहा कि आचार्य लोकेशजी की यह बात मुझे बहुत अच्छी लगती है, उन्होने धर्म को समाज सेवा से जोड़ा, उसे सामाजिक बुराइयों को मिटाने का माध्यम बनाया जिसकी शब्दों में सराहना करना संभव नहीं है। आचार्य गुणधरनंदी जी ने कहा कि आचार्य लोकेशजी नें संयुक्त राष्ट्र संघ व विश्व धर्म संसद जैसे प्रतिष्ठित मंचों से पर्यावरण व अहिंसा के समर्थन में स्वर बुलंद किया है, इसलिए एक दिगम्बर जैनाचार्य द्वारा श्वेताम्बर संत को विश्व राजऋषि की उपाधि से अलंकृत किया जाना जैन एकता, समन्वय एवं सौहार्द का अनूठा नजारा है।

जीतो जियो के संस्थापक गनिवर्य नयपद्मसागर जी ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सयंम आधारित जीवन शैली निश्चित रूप से बहुत ही उपयोगी और प्रासंगिक है, किन्तु मुझे कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं है कि भगवान महावीर व जैन दर्शन को विश्व व्यापी फैलाने में आचार्य लोकेशजी का महत्वपूर्ण योगदान है। आचार्य गुप्तीनंदी जी ने कहा कि अशांत विश्व को अगर कोई शांति का संदेश दे सकता है, इस दुनिया को हिंसा व आतंकवाद से निजात दिला सकता है, तो वह भगवान महावीर का अहिंसा व अनेकांत का दर्शन है और आचार्य डॉ लोकेशजी उस दर्शन को लेकर पिछले 38 वर्षों से विश्व भर में निरंतर प्रयासरत हैं। राष्ट्रसंत ललितप्रभ जी ने कहा कि आचार्य लोकेशजी में राष्ट्र भक्ति के उदाहरणों के लिए शब्द हमेशा कम रहेंगे, वे नर सेवा को नारायण सेवा मानने वाले संत हैं जो मानवता, समाज व राष्ट्र सेवा में निरंतर जुटे रहते हैं।

हिन्दू धर्माचार्य स्वामी दीपांकर जी ने कहा कि आचार्य लोकेशजी ने वैश्विक स्तर पर भारत की बहुलतावादी संस्कृति के संदेश को फैलाया है और भारत देश का गौरव बढ़ाया है। स्वामी अभयदास जी ने कहा कि आचार्य लोकेशजी सदैव उर्जा से भरपूर रहकर कार्य करते हैं, सभी धर्मों में सौहार्द एवं समन्वय को संतुलित करने हेतु उनके प्रयास अनूठे हैं।

अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य डॉ लोकेशजी ने सभी महानुभावों का विश्व राजऋषि उपाधि से अलंकृत होने पर प्राप्त शुभकामनाओं के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह समय मानवता को बचाने का है। हमें हर एक इंसान के जीवन को सुरक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करने हैं तभी राष्ट्रीय एवं अंतरधार्मिक एकता को सुरक्षित किया जा सकता है।

इस अवसर पर भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष शिखरचन्द पहाड़िया, अखिल भारतीय जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष समाजरत्न सुभाष ओसवाल, श्री दिगम्बर जैन महासमिति के अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन, रवि जैन, तरूण मित्र परिषद के अध्यक्ष मनोज जैन सहित उपस्थित सभी महानुभावों ने आचार्य लोकेशजी को सृष्टिपूर्ति वर्ष एवं विश्व राजऋषि उपाधि के लिए ढेरों बधाइयाँ दी। वेबिनार का संचालन नवग्रह तीर्थ कर्नाटक एवं अखिल भारतीय जैन समाज के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।

बूंदी पुरूष संभाग का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बूंदी शहर के चौगान मंदिर में मंगलवार को श्री दिगम्बर जैन महासमिति के बूंदी पुरूष संभाग का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष रोहित झालानी व मंत्री हनी गंगवाल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसके बाद सचिव बाबूलाल जी गोधा, नरोत्तम जैन, लोकेश गोधा, सुरेन्द्र छाबड़ा, गुंजन बाकलीवाल, रवि गंगवाल, रोबिन कासलीवाल, प्रमोद कासलीवाल आदि समस्त कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई और नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला जी डोडिया प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश जी पाटनी, प्रदेश महामंत्री भाग्येश जी जैन एवं अंचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं परामर्शक वंदना जी जैन, सुशीला जी छाबड़ा एवं वरिष्ठ चिकित्सक मनोज जी जैन थे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान आदिनाथ का दीप प्रज्ज्वलन व आचार्य विद्यासागर महाराज जी के चित्र अनावरण के साथ हुआ। मंगलाचारण वाची कासलीवाल व आरोही टोंग्या के नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद स्वागत गीत कनक पाटनी व माया टोंग्या द्वारा गाया गया। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा ने अपने संबोधन में कहा कि हर संस्थान सामाजिक सरोकार कार्य से जुड़कर गरीबों में निर्धनों की सहायता करता है लेकिन पुरूष महासमिति को इससे हटकर कुछ नया एक आयाम स्थापित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में अजमेर से पधारे डॉ एस. के. पाटोदी ने कोरोना से बचाव के बारे में जानकारी दी। बूंदी के वरिष्ठ चिकित्सक मनोज जैन को समिति का संरक्षक नियुक्त किया गया, जिन्होंने समिति को सहयोग राशि दी। अंत में महिला महासमिति अध्यक्ष सुमन कासलीवाल द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन बबीता गंगवाल और मोनिका झालानी द्वारा किया गया। बूंदी महिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

– प्रकाश पाटनी अजमेर

राजस्थान में आई जागृति

जय जिनेन्द्र जय महावीर कहके
करें राष्ट्र का हम गुणगान।
सबका वंदन अभिनंदन है
जय–जय जय–जय हिंदुस्तान।।

समाज सेवा में समर्पित
सदा बोलते मीठै बेन।
राष्ट्रीय अध्यक्ष का वंदन
परम श्रध्देय **श्री मणीन्द्र जैन**।।

देव–शास्त्र–गुरु की भक्ति
मन बसे जिनवाणी के बेन।
राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष को नमन
श्रध्देय **शीला डोडिया बेन**।।

राजस्थान में आई जागृति
प्रकाश फैल रहा विशेष।
प्रगति पथ पर जिन शासन है
बधाई पात्र है **प्रिय भाग्येश**।।

नव गठित कार्यकारिणी का
हम सब अभिनंदन करते हैं।
शांति, सौहार्द, दया, प्रेम का
दिल से समर्थन करते हैं।।

परामर्शक गण युक्त हुए हम
संघठन की बड़ी है शान।
प्रगति पथ पर अग्रसर होगा
अब हमारा राजस्थान।।

श्रेष्ठ धर्म के हम अनुयायी
राष्ट्र सेवा में आगे।
गुरुवर का हाथ शीश पर
भाग्य हमारे हैं जागे।।

शीला युक्त है संघठन हमारा
मणीन्द्र का है निर्देशन।
श्री दिगम्बर जैन महासमिति को
अर्पित है तन–मन–धन।।

धर्म प्रभावना हम करेंगे
समाज सेवा करेंगे संग।
जीव दया और मानवता के
बिखरे चहु दिशा में रंग।।

अनुशासन और समर्पण से
आएगा अब निखार।
जय जिनेन्द्र–जय महावीर
कहता **"टिल्लू" राजकुमार**।

राजकुमार जैन "टिल्लू"
झालरापाटन (राज.)
कोषाध्यक्ष

अनोप मंडल के विरूद्ध याचिका दायर की गई

जैन समाज और जैन धर्म के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रतिबद्ध हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ मणीन्द्र जैन के मार्गदर्शन में श्री दिगम्बर जैन** महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी तथा महामंत्री भाग्येश जी द्वारा जयपुर हाईकोर्ट में अनोप मंडल के खिलाफ कार्रवाई हेतु याचिका दायर कर दी गई है। इससे पहले महासमिति द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ मणीन्द्र जैन की पहल पर राज्य सरकार और केंद्र सरकार** को कार्यवाही हेतु नोटिस दिए गए थे। साथ ही महामहिम श्री कलराज मिश्र जी राज्यपाल राजस्थान तथा केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी जी से मिलकर राजनीतिक पहल भी प्रारंभ कर दी थी। जिसके परिणाम स्वरूप अनोप मंडल द्वारा जैन धर्म व साधुओं के बारे में अनर्गल प्रचार पर शिकंजा कसना प्रारंभ हो गया है। अन्य संस्थाओं से भी निवेदन है कि वह सभी भी इसी तरह की रिट पिटीशन अपने–अपने क्षेत्रों से दायर करें। सिर्फीजेंचच पर मैसेज भेजने या बड़ी–बड़ी बातें करने से कभी भी रिजल्ट नहीं आते। क्योंकि अन्य कई संस्थायें इस तरह की कार्रवाई करने से पीछे हट रही हैं। सभी को मिलकर अपनी–अपनी क्षमता अनुसार कार्य करना चाहिए। हमारी लीगल टीम सीनियर एडवोकेट श्री महेन्द्र शाह जी की अगुवाई में सहयोगियों श्री हेमन्त सोगानी, श्री विजय चौधरी, श्रीमती सुरूचि कासलीवाल, श्री विज्ञान शाह, श्री कमलेश शर्मा, श्री राजाराम चौधरी, श्री अक्षित गुप्ता, हरेंद्र जी पुखराज यस जोशी जी, अर्पित जैन, प्रज्ञा सेठ एवं साराह शर्मा आदि लीगल टीम बधाई के पात्र हैं। अन्य संस्थाएं भी हमारी लीगल टीम से या राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन से संपर्क कर रिट पिटीशन की कॉपी प्राप्त कर सकते हैं।

– **धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली**

पीड़ित–मानव की सेवा के लिए कटिबद्ध हैं पाटनी दम्पति

अजमेर, पाटनी दम्पति के लिए प्रत्येक व्यक्ति यही कहता है कि सेवा के मामले में इनका कोई जवाब नहीं ऐसे ही उद्‌गार व्यक्त करते हुए लाइंस क्लब के पूर्व सम्भागीय अध्यक्ष लॉइन शशिकान्त वर्मा ने कहा है कि लाइन अतुल–मधु जी पाटनी ने पीडित मानवता की सेवा के लिए पिछले 20 वर्षो तक निरन्तर हर दिन जो सेवायें दी हैं उसका कोई मोल नहीं है। इन्होनें ऐसे सेवा कार्य कियें हैं जो ईश्वर की प्रार्थना और खुदा की इबादत के समान है।

प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग सम्पन्न

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की प्रदेश कार्यकारिणी कमेटी की सभा जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला डोडियाके द्वारा अध्यक्षता की गई एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी महिला महासमिति की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल प्रदेश महामंत्री भाग्येश जैन कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार जी जैन कार्यकारिणी सदस्य चिंटू जैन व संभागीय अध्यक्ष कल्पना जी उपस्थित थे। सभा में **राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन** के द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना हेतु दिशा तय की गई। श्री दिगम्बर जैन महासमिति के विचारणीय प्रोजेक्ट मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं सभी अतिथियों के द्वारा दो अस्पतालों का अवलोकन भी किया गया, पूरी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष को उनके विचारार्थ भेजी गई। अंत में शालिनी जी बाकलीवाल के अतिथि में दिए गए भोज के लिए सभी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और उनके आतिथ्य की प्रशंसा की।

– भाग्येश जैन, महामन्त्री (राजस्थान प्रदेश)

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रिचा जैन राष्ट्रीय सन्त आचार्य पुलकसागर जी महाराज **जिन शरणम् तीर्थ** निकट मुम्बई में कलश स्थापित करते हुए।

डॉ. मणीन्द्र जैन संरक्षक बने

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के **राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन** (इन्द्रमणि परिवार), नई दिल्ली अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद् (रजि.) एवं पार्श्व ज्योती मंच द्वारा स्थापित 'जैन विद्या एवं प्राकृत शोध संस्थान' , बुरहानपुर के संरक्षक बने। यहाँ उल्लेखनीय है कि **डॉ. मणीन्द्र जैन** अपने पूज्य पिता श्री इन्द्रमणि जैन एवं स्व. भ्राता श्री रविन्द्र जैन (प्रख्यात संगीतकार) के पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने डॉ. सुरेन्द्र जैन 'भारती' के अनुरोध पर संरक्षक बनना स्वीकार किया।

मन्दिर परिसर में लगाया गया टीका 45 से 60 वर्ष के 1224 लोगों सहित कुल 1813 को वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई गई।

सोनीपत। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोरोना महामारी पर काबू पाने के लिए टीकाकरण शिविर लगाए जा रहे हैं। रविवार को भी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा मुरथल रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन व अन्य जगह शिविर लगाए गए।

इन शिविरों में कुल 1813 लोगों को वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाइ गई। इनमें 18 से 44 वर्ष के 442, 45 से 60 वर्ष के 1224 और 60 वर्ष से अधिक उम्र के 147 बुजुर्गों को वैक्सीन लगाई गई। इसके साथ ही चिकित्सकों व समाज सेवियों ने अन्य लोगों को भी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सभी को वैक्सीन लगवाने के लिए आगे आना चाहिए।

शहर के श्री दिगंबर जैन–बड़ा मंदिर परिसर में वैक्सीन लगाने के लिए टीकाकरण शिविर लगाया गया। शिविर में यूपीएचसी जटवाड़ा से एएनएम मुकेश कुमारी, सविता, अशोक कुमार की टीम ने लाभार्थियों को वैक्सीन लगाई। यह अभियान मंदिर कमेटी के साथ ही मेरी पहचान वेलफेयर सोसायटी व बाबू महावीर प्रसाद शांता जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में लगाया गया। इस दौरान सन्नी जैन, हेमंत जैन, भूषन जैन, श्रीमती शांता जैन, अवनीश जैन, मनीष, राजीव जैन, प्रवीन जैन, रजत, अनिल आदि मौजूद रहे।

– शान्ता जैन, सोनीपत (हरियाणा)

JIO
पारस चैनल
सिद्धायतन
श्री दिगम्बर जैन महासमिति, जियो और पारस टी वी की अद्भुत प्रस्तुति
चरण स्पर्श
अपने माता पिता, सास ससुर एवं बुजुर्गों का आभार करने एवं सम्मानित करने को प्रेरित करने वाला एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का प्रसारण पारस टी वी पर।
शनिवार,31 जुलाई, रात्रि 7.40 से
कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि
डॉ हंसा माँ
जानी मानी योगाचार्य द्वारा बुजुर्गों को स्वास्थ्य टिप्स
श्री राजु श्रीवास्तव
देश के प्रख्यात कॉमेडियन द्वारा हास्य व्यंग्य की प्रस्तुति
श्री आलोक कुमार
दिल्ली के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (Crime) द्वारा बुजुर्गों को सावधानी टिप्स
श्रीमती नेहा त्यागी
Mrs Univers 2018 बताएंगी सफलता पाने के टिप्स
दीप प्रज्वलन कर्ता
श्री जमनालाल हपावत
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा
चित्र अनावरण कर्ता
श्री घेवर चंद बोहरा
प्रेसिडेंट जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन (JIO)
कार्यक्रम के प्रत्यक्षदर्शी गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड्स के पदाधिकारी
कार्यक्रम को अपने बुजुर्गों एवं परिवार के साथ अवश्य देखें।
डॉ मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष-श्री दिगंबर जैन महासमिति
श्रीमती शीला डोडिया
राष्ट्रीय अध्यक्षा-श्री दि.जैन महिला महासमिति
ललित सरावगी जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रचार प्रमुख-श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन महासमिति
जिला भरतपुर (राजस्थान) की कार्यकारिणी

क. सं.	नाम	पद	स्थान	मोबाईल नम्बर
1	श्री ओमप्रकाश जैन	अध्यक्ष	भरतपुर, राजस्थान	9414023668
2	श्री राजकुमार जैन	मंत्री	भरतपुर, राजस्थान	9414944832
3	श्री शिखर चन्द्र जैन	कोषाध्यक्ष	भरतपुर, राजस्थान	9829224409
4	श्री देवेन्द्र कुमार जैन	उपाध्यक्ष	भरतपुर, राजस्थान	6375560763
5	श्री मुकेश कुमार जैन	सह मंत्री	भरतपुर, राजस्थान	9214963451
6	श्री अनूप चन्द्र जैन	प्रचार प्रसार मंत्री	भुसावर, राजस्थान	8114432747
7	श्री पवन कुमार जैन	संगठन मंत्री	भरतपुर, राजस्थान	9829521632
8	श्री दीपक कुमार जैन	सांस्कृतिक मंत्री	भरतपुर, राजस्थान	9929929920
9	श्री अशोक कुमार जैन	सह कोषाध्यक्ष	बयाना, राजस्थान	9829850297
10	श्री अनिल कुमार जैन	सह संगठन मंत्री	बयाना, राजस्थान	9414989052
11	श्री संजय जैन	सह प्रचार मंत्री	भरतपुर, राजस्थान	9413916490

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

JIO
JAIN INTERNATIONAL ORGANISATION

Shri Manindra Jain **July 15, 2021**
G-60, 3rd Floor, East of Kailash,
New Delhi – 110065.

Respected Shri Manindraji,

Sub: Your Appointment as Executive Chairman of JIO Apex All-India

Please accept greetings from Jain International Organisation (JIO). **Param Pujya Gurudev Shri Naypadmasagarji Maharaj Saheb** has blessed you and given the Important Responsibility of **Executive Chairman of JIO Apex All-India**. We welcome you as the Executive Chairman.

JIO is thankful to you for accepting the responsible position of Executive Chairman and appreciate your keen desire to serve the Society through multifarious activities of JIO.

You have always stood by the Noble causes expounded by JIO and have a strong desire to serve its laudable goals of bringing Unity of all Jains and achieving **all round Progress, Global Harmony and Peace & Prosperity** for total Happiness to make the **World free of Violence, Poverty & Disease.**

You have assumed this important responsibility and have the backing of a very strong Team of Honorary well respected Jains of the Community. We are sure that your vast experience, vision and contacts will play a vital role in uplifting the Samaj with astute guidance from **Param Pujya Gurudev Shri Naypadmasagarji Maharaj Saheb** and take JIO to greater Heights and Glory.

With kind regards,
For **Jain International Organisation**

Head Office : Panchsheel Plaza, A Wing Basement, Near Dharam Palace, Hughes Road, Gamdevi, Charni Road, Mumbai 400 007.
Website: www.jio.net.in | Tel.: 022-2363 1207, 2363 7592, 2363 3783

JIO
JAIN INTERNATIONAL ORGANISATION
डॉ मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष-श्री दिगम्बर जैन महासमिति
जैन समाज की महत्वपूर्ण संस्थाएं JITO एवं JIO के प्रणेता, परमपूज्य गुरुदेव श्री नयपदम सागरजी महाराज साहेब के आशीर्वाद से डॉ मणीन्द्र जैन को Jain International Organisation (JIO) Apex All India का Executive Chairman नियुक्त किया गया है।
अपनी कार्यशैली,कार्यक्षमता,दूरदृष्टि से श्री दिगम्बर जैन महासमिति के द्वारा सम्पूर्ण जैन समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हमारे कर्मठ अध्यक्ष को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने पर संस्था अपने को गौरवान्वित महसूस करती है।
ललित सरावगी जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रचार प्रमुख-श्री दिगम्बर जैन महासमिति

जैन महासमिति ने बड़े जी के मंदिर में लगवाया वाटर कूलर

श्री दिगम्बर जैन महासमिति ने गुरुवार को मानपुर स्थित बड़े जी के मंदिर में वाटर कूलर लगवाया । मंडल अध्यक्ष विशेष आमंत्रित सदस्य ममता जैन के पुत्र अमन जैन के जन्मदिन पर यह उपहार सौंपा गया । अमन सेना में विंग कमांडर के रुप में सेवा दे रहे हैं । उद्घाटन दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन ने किया । समारोह में विंग अमन जैन को गुलदस्ता भेंट किया गया । महिला इकाई की अध्यक्ष नीलम जैन, उपाध्यक्ष अनुज जैन, संयोजक नितिन जैन उपस्थित रहे ।

असहाय, बुजुर्ग व बेरोजगार ग्रामीणों के लिए भोजन की सेवा में सहयोग

अजमेर । श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति एंव युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा आज पुष्कर के पास गनाहेड़ा की गावरिया बस्ती में रहने वाले सौ परिवारों को श्रीमती मैना बड़जात्या, नरेश कुमार, अखिल कुमार बड़जात्या जनता पुस्तक भंडार की ओर से भोजन का वितरण किया । श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मधु पाटनी ने बतायाा कि बड़जात्या परिवार की स्वर्गीय श्रीमती नजरी बाई की पुण्य स्मृति में सहयोग किया गया । समिति की मंत्री श्रीमती शिखा बिलाला ने बड़जात्या परिवार केद्वारा बेरोजगार, असहाय, बुजुर्ग व अन्य जरुरतमंद व्यक्तियों के लिए भोजन सेवा हेतु बड़जात्या परिवार के प्रति आभार ज्ञापित किया ।

– मधु पाटनी कार्याध्यक्ष अजमेर

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

गौरवपूर्ण क्षण

दिनांक 29.6.2021 को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉ मनीष विश्नोई द्वारा श्री दिगंबर जैन महासमिति के द्वारा श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर पारस चैनल पर प्रसारित मां जिनवाणी के भव्य सफल कार्यक्रम जिसमें हजारों परिवारों ने भाग लिया के सफल आयोजन का वर्ल्ड रिकार्ड बनाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन को प्रशस्ति पत्र तथा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का बैज लगाकर सम्मानित किया गया। डॉ मणीन्द्र जैन ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान जिनवाणी माता तथा समस्त सकल जैन समाज का है। इस अवसर पर श्री आलोक कुमार श्री वीके जैन, पंडित अजीत शास्त्री, उदीप्त जैन, धरणेन्द्र जैन, आराध्या जैन आदि उपस्थित थे। सकल जैन समाज को इस अनुपम उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई।

— प्रकाश पाटनी, अध्यक्ष
(राजस्थान प्रदेश)

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600